



शर्लिन चोपड़ा को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत, गिरफ्तारी पर फिलहाल लगी रोक पिछले साल पॉर्न वीडियो केस में कई बॉलिवुड सिलेब्स के नाम आने के बाद तहलका मच गया था। राज कुंद्रा, पूनम पांडे और गहना वशिष्ठ के बाद इस मामले में ऐक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा का नाम भी सामने आया था। इस केस में शर्लिन चोपड़ा को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार 4 फरवरी को दिए अपने एक आदेश में शर्लिन की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने राज कुंद्रा और पूनम पांडे की गिरफ्तारी पर भी रोक लगाने के आदेश दिए थे। दिसंबर 2021 में पॉर्न फिल्में बनाने और उन्हें ऑनलाइन बेचने के आरोपी राज कुंद्रा की गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट ने स्टै लगा दिया था। इस मामले में दर्ज हुई एफआईआर में राज कुंद्रा के अलावा शर्लिन चोपड़ा और पूनम पांडे के नाम भी शामिल थे। इस मामले में राज कुंद्रा पहले ही लगभग 2 महीने तक जेल में रह चुके हैं और अभी जमानत पर बाहर हैं। बता दें कि स्ट्रगलिंग मॉडल्स और ऐक्ट्रेसों की जबरन पॉर्न फिल्में बनाने का मामला पिछले साल मार्च में सामने आया था। इस मामले में सबसे पहले ऐक्ट्रेस गहना वशिष्ठ का नाम सामने आया था जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। मामले की जांच कर रही मुंबई पुलिस ने बाद में राज कुंद्रा को इस मामले में मुख्य आरोपी मानते हुए गिरफ्तार कर लिया था। राज कुंद्रा के अलावा गहना वशिष्ठ भी अभी जमानत पर बाहर हैं। मामले में सभी आरोपियों ने खुद पर लगे आरोपों से साफ इनकार किया है।

सलमान खान ने विशाल कोटियन की गर्लफ्रेंड को किया किस

सलमान खान ने हाल ही बिग बॉस 15 की आफ्टर पार्टी रखी, जिसमें इस सीजन के सारे कंटेस्टेंट्स शामिल हुए। विशाल कोटियन भी गर्लफ्रेंड पायल शेटी के साथ शामिल हुए। पायल शेटी, सलमान खान से मिलकर बेहद ऐक्साइटेड थीं। सलमान ने पायल को किस भी किया। पायल शेटी ने सलमान के साथ मीटिंग वाली तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। उन्होंने कैप्शन में ओम शांति ओम के एक गाने की लाइन भी लिखी। पायल शेटी ने लिखा, आई ऐसी रात है जो बहुत खुशानसीब है। चाहे जिसे दूर से दुनिया, वो मेरे करीब है। सलमान खान थैंक यू सो मच। आपके प्यार और प्यार शब्दों ने मेरा दिल भर दिया। मैं आपकी बहुत शुक्रगुजार हूँ। पायल शेटी के इस पोस्ट पर बॉयफ्रेंड विशाल कोटियन ने जो कॉमेंट किया, उसने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। विशाल कोटियन ने लिखा, लगता है अब मुझे अजय देवगन बनना पड़ेगा। इस कॉमेंट में विशाल का इशारा फिल्म हम दिल दे चुके सनम से था, जिसमें सलमान के अलावा ऐश्वर्या राय और अजय देवगन नजर आए।

बिकिनी फोटोज पर ट्रोल करने वालों का ऐसे करती हैं हैंडल



बॉलिवुड ऐक्ट्रेस दिशा पाटनी सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहती हैं। अपनी तस्वीरें और फोटो अपलोड करती रहती हैं। कभी वह जिम में नजर आती हैं, तो कभी पूल और समंदर किनारे। उस पर फैंस और आलोचक दोनों ही अपनी प्रतिक्रिया देते रहते हैं। हालांकि ऐक्ट्रेस को इन सब से ज्यादा फर्क पड़ता है नहीं। उन्होंने खुद इस बात का खुलासा किया है और बताया है कि उन्हें नेगेटिव कमेंट्स देखकर बिलकुल भी परेशानी नहीं होती। उल्टा वह उसे यूजर को ब्लॉक कर देती हैं, जो सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने का काम करते हैं। दिशा पाटनी ने कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर जो भी प्यार के बजाय नफरत फैलाने का काम करता है, उसे वह ब्लॉक कर देती हैं। उन्होंने आगे कहा कि वह इंस्टाग्राम पर जो वही पोस्ट करती हैं, जो उनको अच्छा लगता है। और जब उस पर कोई नेगेटिव कमेंट करता है, तो वह उस पर ध्यान नहीं देती हैं। फिलहाल दिशा पाटनी कई फिल्मों की शूटिंग कर रही हैं। मोहित सूरी की एक विलेन रिटर्न्स का हिस्सा होने के साथ-साथ करण जोहर और शशांक खेतान की योद्धा में भी वह नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग हालांकि पूरी हो चुकी है, जो 11 नवंबर 2022 को रिलीज हो जाएगी।

मर्दों की बदचलन दुनिया की रानी थी गंगूबाई

गंगूबाई काठियावाड़ी का नया ट्रेलर आपने देख लिया होगा। संजय लीला भंसाली की इस फिल्म के ट्रेलर ने ही रोंगटे खड़े कर दिए हैं। मुर्दाबाद के नारों के बीच जब गंगूबाई बनी आलिया भट्ट की बेखौफ एंटी होती है तो उनके और दमदार डायलॉग के अलावा और कुछ दिखाई-सुनाई नहीं देता। इस फिल्म की कहानी मुंबई माफिया क्वीन कही जाने वाली गंगूबाई कोठेवाली की असल कहानी पर बेस्ड है। वो गंगूबाई जो बेखौफ थी। उस दुनिया पर राज करती थी, जिसमें औरतों के खड़े होने पर ही उसे बदचलन कहने लगते हैं। लेकिन गंगूबाई से सब प्यार करते थे, उसका सम्मान करते थे। इसलिए कहते थे गंगूबाई काठियावाड़ी।

गंगू की मर्जी के बिना कमाठीपुरा में नहीं होती थी शाम मुंबई अंडरवर्ल्ड की दुनिया में गंगूबाई ऐसा नाम है, जिसके कोठे पर बिना उसकी मर्जी के बिना बड़े से बड़ा गैंगस्टर भी कदम नहीं रखता था। वह सेक्स वर्कर्स के हित में भी काम करती थी और उनके लिए भी। गंगूबाई के कद का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आजाद मैदान में उसके भाषण को 60 के दशक में हर बड़े अखबार ने जगह दी थी। ट्रेलर के आखिर में आपने वो सीन और डायलॉग जरूर देखा होगा, जहां गंगूबाई कहती है, कल लिख देना अखबार में कि आजाद मैदान में गंगूबाई ने आंखें झुकाकर नहीं, आंखें मिलाकर अपने हक की बात की है।

गुजरात के काठवाड़ी की रहने वाली थी गंगा

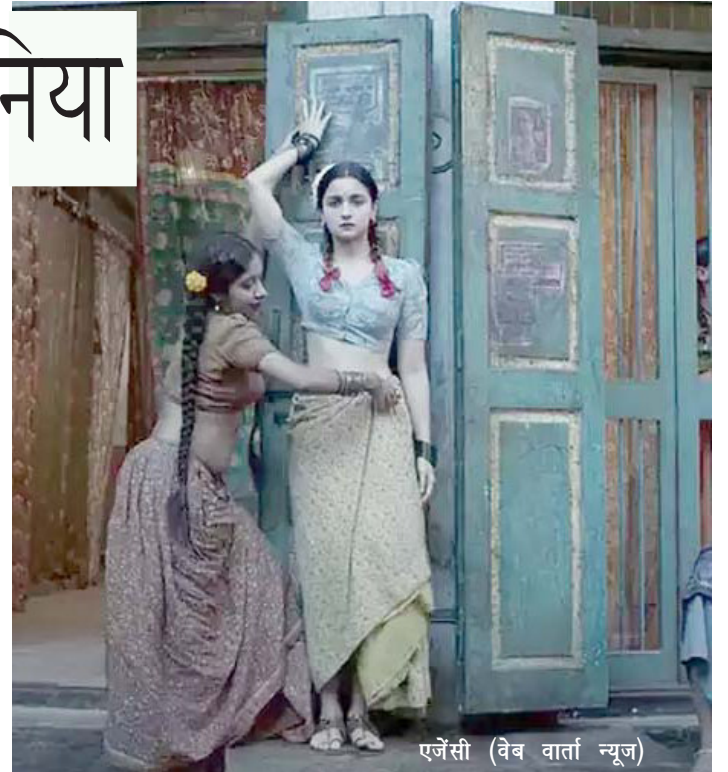
गंगा हरजीवनदस गुजरात के काठीवाड़ की रहने वाली थी। इसलिए उसे बाद में गंगूबाई काठियावाड़ी पुकारने लगे थे। एक संपन्न परिवार में पैदा हुई गंगा का सपना था कि वह बड़ी होकर ऐक्ट्रेस बने। मां-बाप ने बेटी को बड़े प्यार से पाला था। लेकिन कॉलेज के दिनों में गंगा को प्यार हो गया। प्यार गलत नहीं था, लेकिन 16 साल की उम्र में उसे जिससे प्यार हुआ, वह गलत था। यह गंगा की जिंदगी की सबसे बड़ी भूल साबित हुई। गंगा को उसके पिता के अकाउंटेंट रमनिक लाल से इश्क हुआ था। परिवार वाले इसके खिलाफ थे। गंगा को ऐक्ट्रेस भी बनना था। इसलिए वह रमनिक के



दीपिका पादुकोण को लेकर पूछा सवाल तो रिपोर्टर पर भड़क गई कंगना रनौत

कंगना रनौत ने एक पत्रकार पर झल्ला पड़ीं और बोला कि श्नुम बैठो। सोशल मीडिया पर कंगना रनौत का ये वीडियो लगातार वायरल हो रहा है जिसमें वह पत्रकारों पर नाराज होती दिख रही हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में, जर्नलिस्ट कंगना रनौत से सवाल करती हैं कि हाल में ही एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने दीपिका पादुकोण के छोटी ड्रेस पहनने पर मजाक उड़ाया था?

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस कंगना रनौत नई पारी की शुरुआत करने जा रही हैं। एक बार फिर कंगना रनौत ने एकता कपूर के साथ हाथ मिलाया है। वह नए रियलिटी शो लॉकअप को होस्ट करने वाली हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में, जर्नलिस्ट कंगना रनौत से सवाल करती हैं कि हाल में ही एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने दीपिका पादुकोण के छोटी ड्रेस पहनने पर मजाक उड़ाया था? ऐक्ट्रेस को उनके कपड़ों को लेकर जज किया जा रहा है, इसे आप की क्या राय है? इस पर कंगना रनौत जवाब देती हैं, शर्मं यहां उन लोगों को डिफेंड करती हूँ जो खुद को डिफेंड नहीं कर सकते हैं, उनके पास प्रिविलेज और प्लेटफॉर्म दोनों हैं, वह खुद का बचाव कर सकती हैं। मैं यहां उनकी फिल्म का प्रमोशन नहीं कर रही हूँ, बैठ जाओ...। कंगना रनौत के इस रूखे व्यवहार के बाद रिपोर्टर ने कहा कि वह दीपिका पादुकोण का सिर्फ उदाहरण दे रही थीं उनका इरादा किसी फिल्म को प्रमोट करने का बिल्कुल नहीं है। इस पर कंगना रनौत फिर से उन्हें लताड़ते हुए कहती हैं, बेशक, आपने उनकी फिल्म का नाम लिया है, वो फिल्म जो जल्द ही रिलीज होने वाली है। जाहिर है आप उनकी फिल्म का पीआर कर रही हैं। अरे यार, हम इतने भी नादान तो नहीं हैं न। इस प्रमोशन में एक अन्य रिपोर्टर ने कंगना रनौत से सवाल किया कि, गंगूबाई काठियावाड़ी समेत कई बड़ी फिल्में रिलीज हो रही हैं और आप किस फिल्म को चुनौती मानती हैं। इस पर ऐक्ट्रेस कहती हैं, देखिए हम यहां पर अपने शो को प्रमोट कर रहे हैं, उनकी पास उनकी टीम है फिल्मों को प्रमोट करने के लिए, आप यहां पर उन्हें प्लांट मत कीजिए। इसी शो के बीच कंगना रनौत एक पत्रकार से हिंदी में सवाल पूछने को कहती हैं। आपको हिंदी आती नहीं है, इस पर पत्रकार हंसने लगती हैं। इस वीडियो पर फैंस ने कंगना रनौत का साथ दिया और कहा कि यही वजह है कि वह कंगना को खूब पसंद करते हैं।



एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

साथ भागकर मुंबई आ गई।

मुंबई में पति ने 500 रुपये में कोठे पर बेच दिया

गंगा और रमनिक ने शादी कर ली। लेकिन अभी गंगा मुंबई की चकाचौंध को निहार ही रही थी कि दरिंदे पति रमनिक लाल ने उसे महज 500 रुपये में कमाठीपुरा के एक वेश्यालय को बेच दिया। लाचार और मासूम गंगा के जिस्म का हर दिन सौदा होने लगा। दिन और रात आंसुओं में बीतने लगे। वह रोती थी। बिलखती थी। खुद को और अपने प्यार को कोसती थी।

गंगा की जिंदगी में करीम लाला की एंटी

कमाठीपुरा में साठ के उस दशक में माफिया डॉन करीम लाला का सिक्का चलता था। फिल्म में यह किरदार अजय देवगन निभा रहे हैं। करीम लाल गुंडा जरूर था, लेकिन नेक दिल था। ट्रेलर में आपने डायलॉग सुना होगा, लाला को घर बसते हुए देखना पसंद है, उजड़ते हुए नहीं। एक बार की बात है। करीम लाला के एक गुंडे की नजर गंगा पर पड़ी। उस वहशी ने गंगा का रेप किया। गंगा इंसफ मांगने करीम लाला के पास गई और करीम लाला ने न सिर्फ इंसफ किया, बल्कि गंगा को अपनी मुहबोली बहन मान लिया। इसके बाद गंगा की जिंदगी बदल दी और यहीं से गंगा के गंगूबाई काठियावाड़ी बनने की कहानी शुरू हुई।

अनाथ बच्चों का सहारा, पंडित नेहरू से हुई थी मुलाकात

गंगूबाई ने अपने जीवन में न सिर्फ सेक्स वर्कर्स के लिए काम किया, बल्कि अनाथ बच्चों के लिए भी सहारा बनी। गंगूबाई ने कई बच्चों को गोद लिया। ये बच्चे या तो अनाथ थे या बेघर। इन बच्चों की पढ़ाई की जिम्मेदारी भी गंगूबाई की थी। हुसैन जैदी की किताब में जिक्र है कि गंगूबाई उस वक़्त देश के प्रधानमंत्री रहे जवाहरलाल नेहरू से भी मिली थीं।